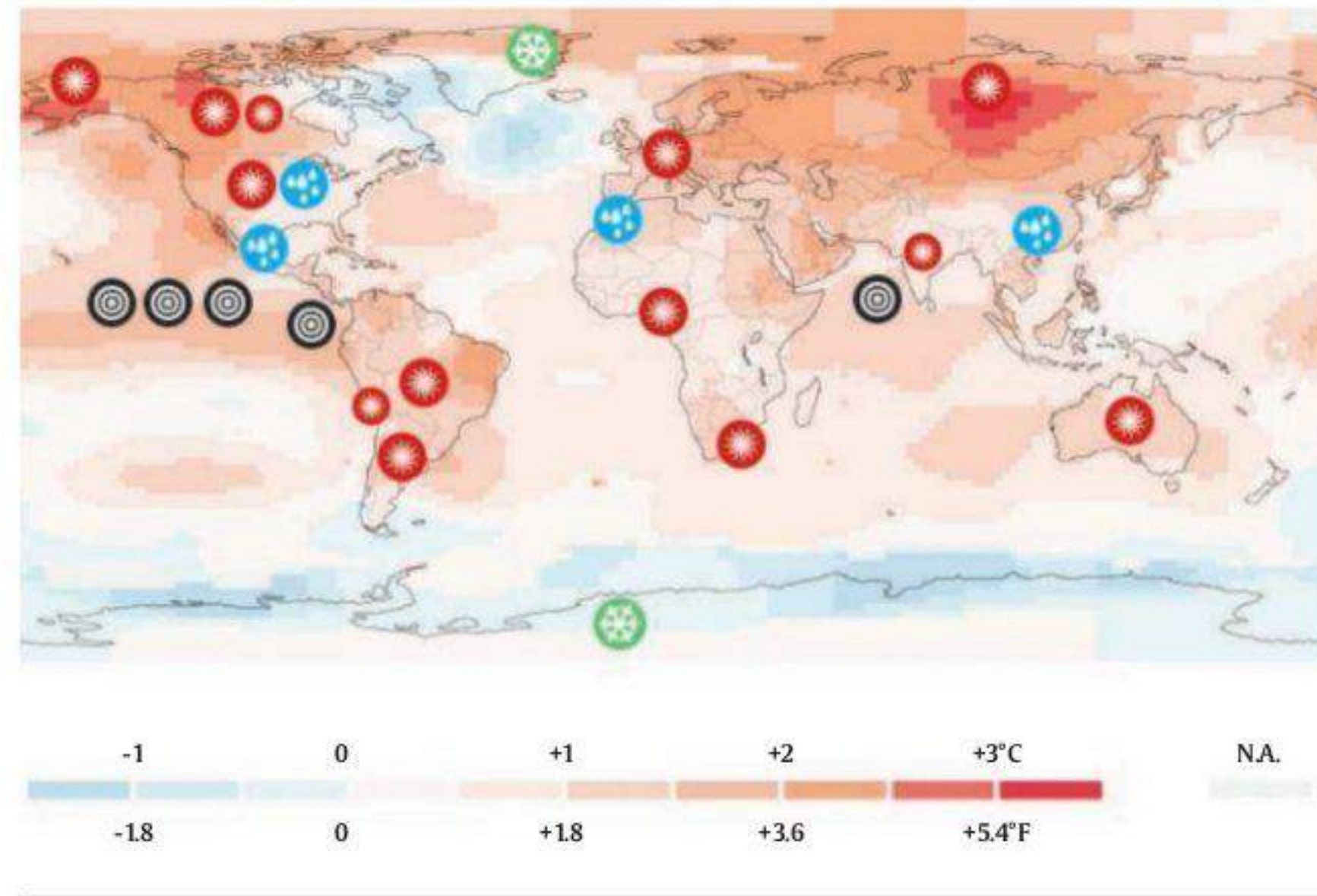


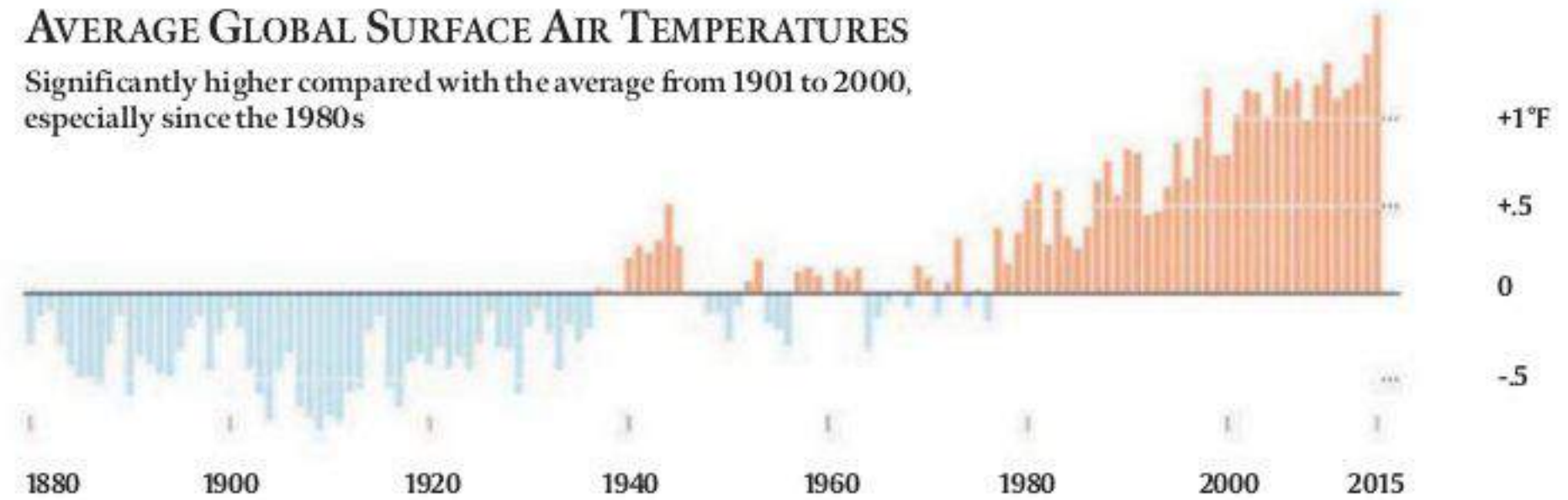
2015 was the hottest year on record. It was hotter than normal almost everywhere in the world

How far above or below average (of the years from 1901 to 2000) temperatures were in 2015. Shades of red, indicating hotter, predominate over shades of blue, indicating colder than average



AVERAGE GLOBAL SURFACE AIR TEMPERATURES

Significantly higher compared with the average from 1901 to 2000, especially since the 1980s



SELECTED SIGNIFICANT CLIMATE ANOMALIES AND EVENTS IN 2015



HEAT EVENTS

Alaska saw the second warmest year since 1925, and Canada the warmest summer on record in some areas. It was the second warmest year in the US since 1895; in South America, it was the warmest since continental records began in 1910. Europe had the second warmest year on record, Asia the warmest since 1910. A heatwave in India is thought to have killed over 2,000.



RAINFALL EVENTS

Third wettest year for the US since 1895; May 2015 was the wettest month ever. Mexico saw the wettest March since national records began in 1941. On August 6, Marrakech, Morocco, received 13 times the average rainfall in just one hour. Floods in China affected 75 million people, and the southern provinces had the wettest May in 40 years.



WIND EVENTS

Hurricanes Kilo, Ignacio and Jimena were the first set of three hurricanes to occur simultaneously in the Eastern North Pacific Ocean since records began in 1949. In November, Hurricane Sandra, the strongest tropical cyclone ever seen in the western hemisphere so late in the year, developed off Mexico.



ICE EVENTS

In the growth season, the Arctic saw the smallest annual maximum extent of sea ice, and in the melt season, the fourth smallest minimum extent. The Antarctic, during the melt season, reached the fourth largest minimum extent of sea ice on record.

BLAME WARMING CAUSED BY GREENHOUSE GASES, EFFECTS OF EL NIÑO

IT IS OFFICIAL. Scientists from US agencies NASA and NOAA this week reported what was widely anticipated already: that 2015 was the hottest year in the global record beginning 1880, beating 2014.

BRITISH SCIENTISTS have earlier released figures showing 2015 as the warmest year in a record dating to 1850. And Japanese scientists have reached the same conclusion in a record beginning 1891.

REASONS: El Niño, certainly — the current phenomenon may well be the strongest ever. But the big reason, scientists say, is the long-term warming caused by human emissions of greenhouse gases.

Sources: NASA, NOAA. GRAPHIC ADAPTED FROM THE NEW YORK TIMES

Source: National Oceanic and Atmospheric Administration (NOAA), US Department of Commerce

The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

Jammu Kashmir

\$250 m World Bank loan for J-K areas hit by floods

Published on: Jan 22 2016 2:41PM



Vehicles pass through a submerged road in a flooded area of Kashmir.

File photo

Tribune News Service

New Delhi, January 21

A financing agreement for a World Bank (IDA) assistance of \$250 million for the Jhelum and Tawi Flood Recovery Project in Jammu and Kashmir was signed today.

The Finance Ministry said the project would focus on restoring critical infrastructure using best practices on resilient infrastructure. The primary beneficiaries would be the communities in the districts of Jammu and Kashmir affected by loss of public service infrastructure, which will be restored and improved under the project. By strengthening disaster risk management systems and institutions, the

How it will benefit the people

- Focus will be on restoring critical infrastructure using best practices on resilient infrastructure
- The primary beneficiaries will be communities affected by loss of public service infrastructure

project will benefit the entire region affected by floods.

The project will focus on the 20 flood-affected districts — Anantnag, Baramulla, Budgam, Bandipora, Ganderbal, Kupwara, Kulgam, Pulwama, Shopian, Srinagar, Jammu, Samba, Kathua, Reasi, Doda, Kishtwar, Ramban, Poonch, Rajauri and Udhampur, read a World Bank statement.

It said the continuous spell of rains in September 2014 caused Jhelum, Chenab and Tawi rivers and their tributaries and other streams to flow above the danger mark. Owing to the unprecedented heavy rainfall, the catchment areas, particularly low-lying areas, were flooded for more than two weeks. The Jhelum breached its banks at several places. Over a million families were affected, directly or indirectly, and some 300 lives lost. More than 6,48,000 hectares of agricultural and horticultural land was affected, causing a huge loss to crops, plantations and animals.

The objective of the project is to support recovery and increase disaster resilience in the project areas and increase the capacity of the project-implementing entity to respond promptly and effectively to an emergency.

The financing agreement was signed by Raj Kumar, Joint Secretary, Department of Economic Affairs, on behalf of the Central Government and Onno Ruhl, Country Director in India, on behalf of the World Bank.

The J&K government had sought a Rs 44,000-crore relief package from the Centre for rehabilitating the flood victims in the state.

- Disaster management systems will be strengthened
- Rains in Sept 2014 saw Jhelum, Chenab and Tawi flow above danger mark
- Catchment areas, particularly low-lying areas, were flooded for more than two weeks
- More than a million families were affected, directly or indirectly, and some 300 lives lost
- Over 6,48,000 hectares of agricultural and horticultural land was affected during the floods

2014 को पीछे छोड़ा

नासा और नोआ के आंकड़ों में 2015 सबसे गरम साल

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा तेजी से बढ़ा है। इस बात की तस्दीक 2015 के आंकड़े करते हैं। इस साल को अमेरिका की दो एजेंसियों नासा और नोआ ने दुनिया का अब तक का सबसे गरम साल घोषित किया है। इससे पहले 2014 सबसे गर्म वर्ष था। प्रशांत महासागर में मौजूदा अल-नीनो भी तापमान बढ़ने का एक कारण माना गया है। एक नजर:

कितनी गरम हुई धरती

नासा और नेशनल ओसैनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक धरती 2014 के मुकाबले काफी गरम हुई है।

0.13

डिग्री सेल्सियस

गरम हुई है पृथ्वी 2014 के मुकाबले 2015 में नासा के अनुसार



0.16

डिग्री सेल्सियस

ज्यादा बढ़ा है तापमान 2014 के मुकाबले 2015 में नोआ के मुताबिक



0.9

डिग्री सेल्सियस ऊपर है 2015 में धरती का तापमान 20वीं सदी के औसत तापमान के यानी 136 साल में यह उच्चतम तापमान है।

0.29

डिग्री सेल्सियस से पीछे छोड़ा दिसंबर 2015 में पारे ने दिसंबर 2014 के पारे को

* मौजूदा सदी में चौथी बार उच्च तापमान का रिकार्ड बना।

धरती का हर कोना गरम

नोआ के अनुसार यह बढ़ा हुआ वार्षिक तापमान समूची दुनिया में दर्ज किया गया है। इसमें मध्य अमेरिका, दक्षिण अमेरिका का आधा उत्तरी हिस्सा, उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वी यूरोप के हिस्से, पश्चिमी एशिया, पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के हिस्से, उत्तरपूर्व और भूमध्यरेखी प्रशांत का बड़ा भाग, पश्चिमी उत्तर अटलांटिक, ज्यादातर हिन्द महासागर और आर्कटिक महासागर के हिस्से गरम पाए गए।



भूमि और समुद्री सतह कितनी गरम

2015 में भूमि पर वैश्विक औसत तापमान 20वीं सदी के औसत से 1.33 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा। 136 साल में भी यह सर्वाधिक है।

2015 में समुद्री वैश्विक औसत तापमान 20वीं सदी के औसत से 0.74 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा इसने 2014 में बने रिकार्ड को 0.11 डिग्री सेल्सियस से पीछे छोड़ा।

जलवायु विसंगतियां



भारत: 21 मई से 10 जून के बीच देश में जबरदस्त लू चली। गर्मी और लू के कारण 2000 से ज्यादा लोगों की जानें गई।



चीन: मई से अक्टूबर तक भारी बरसात हुई। इससे आई बाढ़ के कारण 75 मिलियन लोग प्रभावित हुए।



ऑस्ट्रेलिया: यहां 1910 से तापमान रिकार्ड शुरू होने के बाद 2015 पांचवां सबसे गरम साल रहा।



यूरोप: 2015 दूसरा सबसे गरम साल बना। स्पेन और फिनलैंड के लिए पिछला साल सबसे गरम रहा।

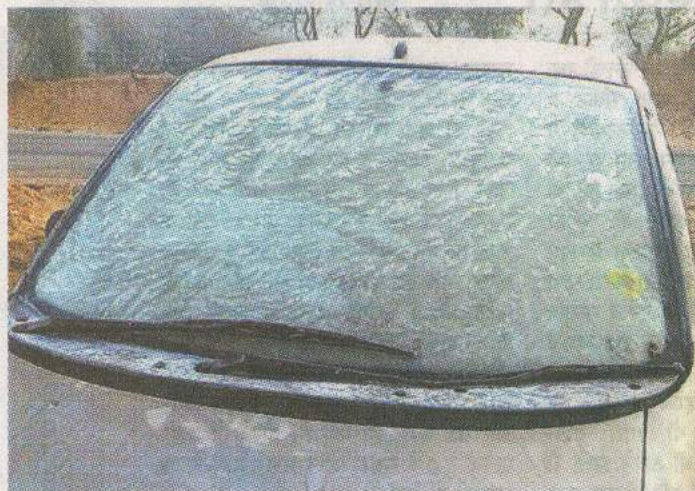
फतेहपुर माइनस 3.2 डिग्री,

माउंट आबू में रात का तापमान शून्य से 3.3 डिग्री नीचे, जोबनेर में माइनस 0.4 डिग्री, जयपुर में पारा चढ़ा पर कंपकंपी बरकरार

जयपुर @ पत्रिका

22-1-16

पत्रिका.com/city प्रदेश में प्रचंड सर्दी का दौर शुरू हो गया है। सीकर के फतेहपुर में गुरुवार को चार साल बाद न्यूनतम पारा माइनस 3.2 डिग्री पर पहुंच गया। यहां 21 जनवरी 2012 को पारा माइनस 3.3 डिग्री दर्ज किया गया था। वर्ष 2016 में क्षेत्र में अब तक की यह सबसे सर्द रात रही। हालांकि दिन का तापमान 6.0 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 22.2 डिग्री रहा। चूरू में न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री रहा। जयपुर जिले के जोबनेर का न्यूनतम तापमान माइनस 0.4 डिग्री और माउंट आबू में माइनस 3.3 डिग्री रहा।



न्यूनतम तापमान

अजमेर	6.8
पिलानी	4.7
कोटा	8.7
डबोक	4.8
बाड़मेर	8.4
जैसलमेर	6.8
जोधपुर	8.5
माउंट आबू	
माइनस	3.0
बीकानेर	6.6
चूरू	4.7
गंगानगर	5.5

10 उड़ानें लेट, 1 रद्द

राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान बुधवार की तुलना में 0.4 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 5.0 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि अधिकतम तापमान 3.2 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 23.2 डिग्री रहा। कोहरे का सितम छह दिनों से जारी है। जयपुर एयरपोर्ट पर कम दृश्यता के कारण

सीकर . इलाके में गुरुवार को कड़ाके की सर्दी का जोर रहा। फतेहपुर कस्बे में खड़ी कार पर जमी बर्फ।

गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे से विमानों के संचालन में दिक्कत आई। विमान जयपुर से उड़ान तो भर पाए, लेकिन लैंडिंग में काफी समस्या हुई। इसके कारण जयपुर आने वाले 10 विमानों की आवाजाही में देरी हुई। जेट एयरवेज की दिल्ली-जयपुर उड़ान को रद्द करना पड़ा।

कोटा रीजन में 22 ट्रेनें देरी से पहुंचीं

प्रदेश में भी कोहरे का जोर रहा। ट्रेनों के संचालन पर इसका असर पड़ा है। कोटा जंक्शन से गुजरने वाली ज्यादातर ट्रेनें बुधवार को देरी से पहुंचीं। दिल्ली-मथुरा रेलखंड और उत्तरप्रदेश में अधिक कोहरा होने से इस क्षेत्र से आने वाली ट्रेनें

प्रभावित हो रही हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार 22 ट्रेनें एक घंटे या उसे अधिक देरी से कोटा पहुंचीं। वहीं करीब 8 ट्रेनें 20 से 40 मिनट देरी से पहुंचीं। जयपुर से होकर गुजरने वाली करीब एक दर्जन ट्रेनें भी देरी से चलीं।

पंजाब-२२-१-१६

यमुना नदी में अमोनिया की मात्रा बरकरार

नई दिल्ली, (ब्यूरो): यमुना नदी में खतरनाक तौर पर प्रदूषण फैलाने वाले अमोनिया केमिकल की मात्रा अभी तक सामान्य नहीं होने के कारण वजीराबाद व चंद्रावल जल उपचार संयंत्र में पेयजल उत्पादन में गुरुवार को भी 50 प्रतिशत की कटौती की गई। इस कारण लगभग दिल्ली के तीन हिस्से में पेयजल आपूर्ति लगभग ठप रही।

पानी के इस किल्लत के कारण इन इलाके में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। इधर दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव द्वारा हरियाणा सरकार को इस बावत सूचित करने के बाद हरियाणा की ओर से यमुना

परेशानी

आधी दिल्ली में गहराया पेयजल संकट

का ताजा पानी दिल्ली के लिए छोड़ दिया गया है, मगर अभी स्थिति सामान्य होने में एक से दो दिन का समय और लगेगा।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का कहना है कि कल भी उपरोक्त इलाके में पानी की किल्लत बनी रहेगी। पानी आपूर्ति ठप होने वाले क्षेत्रों में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद क्षेत्र, दिल्ली कैंट, दक्षिणी व पश्चिमी दिल्ली के अलावा चांदनी चौक, जामा मस्जिद, मटिया

महल, दिल्ली गेट, सिविल लाइन, सुभाष पार्क, मुखर्जी नगर, शक्ति नगर, आदर्श नगर, माडल टाउन, जहांगीरपुरी, वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र, पंजाबी बाग, गुलाबी बाग, हिन्दुराव, झंडेवालन, मोतिया खान, पहाड़गंज, करोलबाग, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नया बाजार, ईस्ट व वेस्ट पटेल नगर, मल्कागंज तथा आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

ज्ञात हो कि यमुना में मंगलवार से अमोनिया की मात्रा बढ़कर 1.3 और 226 ग्राम प्रति लीटर से भी ज्यादा हो गई थी। इस कारण चंद्रावन व वजीराबाद जल संयंत्र को पूरी तरह से बंद करना पड़ा था।

पूर्वानुमान : अगले चार दिन तक झेलनी होगी हाड़ कपाती ठंड, मैदानी इलाकों में घना कोहरा

दि-२२-१-१६

बर्फबारी से पारा चार डिग्री तक गिरा

देहरादून | वरिष्ठ संवाददाता

पहाड़ों पर हुई बारिश और बर्फबारी से प्रदेश में अचानक ठंड बढ़ गई है। देहरादून में गुरुवार को एक दिन पहले के मुकाबले न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गयी। जबकि प्रदेश के अन्य सभी इलाकों में एक ही दिन में तापमान में तीन से चार डिग्री की कमी आई है।

इसके अलावा गुरुवार को मैदानी इलाकों में सीजन का सबसे घना कोहरा देखने को मिला। सुबह के वक्त हाईवे

पर वाहन रेंगते हुए चले। मौसम विभाग ने बुधवार को कहा था कि बारिश और बर्फबारी के बाद गुरुवार से सर्दी में तेजी आएगी। प्रदेश के सभी इलाकों में ऐसा ही देखने को मिला। देहरादून में एक दिन पहले न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री था, जो गुरुवार को गिरकर 3.6 डिग्री सेल्सियस रह गया। यह सामान्य से करीब ढाई डिग्री कम है। टिहरी में भी तापमान एक बार फिर एक डिग्री से भी कम रिकार्ड किया गया। मुक्तेश्वर में पारा जीरो से नीचे रहा। प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी गुरुवार को सर्दी ने कपा दिया।



उत्तराखंड में पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। मुनस्यारी में गुरुवार को सड़क पर बर्फ जमने से यातायात पर असर पड़ा। • हिन्दुस्तान

सर्दी की चपेट में आने से दो की मौत

कुंडा। सर्द हवाओं को झोके से कातिल बनी सर्दी की चपेट में आने से दो की मौत हो गई। पीड़ितों को अस्पताल ले गए लेकिन रास्ते में ही सांसे थम गई। बाघराय थाना क्षेत्र के रोरा गांव के पृथ्वीपाल (50) पुत्र कड़ेदीन बुधवार की रात सर्दी की चपेट में आ गया। हालत बिगड़ते देख परिजन उसे इलाज को निजी चिकित्स के पास ले गए। इलाज के दौरान उसकी सांसे थम गई। महेशगंज थाना क्षेत्र के चम्पतपुर गोगहर गांव के राम कलेशर (50) बुधवार की शाम खेत से लौटा तो उसे सर्दी लग गई। उसकी हालत बिगड़ने लगी तो घरवाए परिजन उसे इलाज को सीएचसी कुंडा लाए। डाक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।

उत्तर-पश्चिम से आ रही ठंडी हवाओं ने बढ़ाई सर्दी

जमशेदपुर। मौसम विज्ञान केन्द्र रांची के पूर्वानुमान अधिकारी रतन महतो ने बताया कि उत्तर-पश्चिम से हवा ठंडक लेकर आ रही है।

दो दिनों की बारिश से वातावरण में काफी नमी है और उत्तर पश्चिम की सर्द लहरें ठंडक बढ़ा रही हैं। शुक्रवार से

आसमान और साफ रहेगा और तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है।

वातावरण में नमी कायम : मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 72 घंटों से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड के

विस्तृत इलाके में बारिश, बूंदबांदी और आंशिक बादलों के कारण वातावरण में नमी बनी हुई है। ये नमी ठंड और सर्द लहरों को गति प्रदान करेगी, जिससे जनवरी के अंत तक ठंड बरकरार रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आई।